सड़कों पर घटिया सड़कें बनाये जाने की शिकायत पर फिर जांच शुरु

सार्वजनिक निर्माण विभाग के दो अधिकारी बोरावड़ पहुंचे और सड़कों की नाप ली

मकराना, (निसं)। प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा सड़कों पर सड़कें नहीं बनाये जाने के निर्देश दिये जाने के बावजूद बोरावड़ में सड़कों पर सड़कें बनाये जाने का क्रम रुकने का नाम नहीं ले रहा है। सड़कों पर सड़कें और वो भी घटिया निर्माण सामग्री के साथ बनाये जाने के मामले में पूर्व में जिला कलेक्टर से की गई शिकायत पर बुधवार को सार्वजनिक निर्माण विभाग के दो अधिकारी बोरावड़ पहुंचे। उनके साथ शिकायतकर्ता राजेन्द्र खर्रा सहित स्थानीय नगरपालिका के जेईएन नरेन्द्र सारस्वत तथा ठेकेदार के प्रतिनिधि जांच के दौरान उपस्थित रहे। जांच अधिकारियों द्वारा सड़कों के नाप लिये जाने पर बोथरा बास, हवाई अड्डा से सरावगी मोहल्ला होते हुए अग्रवाल मेडिकल तक, रानाबाई टेंट हाऊस के सामने, गाडिया लोहारों की बस्ती आदि में अनेक स्थानों पर सड़कों की मोटाई दो से तीन इंच तक ही पायी गई। अनेक स्थानों पर सड़कें बनने के साथ ही टूट जाने की स्थिति भी देखी गई। इससे पहले इस मामले में एसडीएम मकराना के आदेश पर नगर परिषद मकराना की एईएन ने भी सड़कों की जांच की थी, मगर उनके द्वारा की गई लीपापोती के बाद एक ही बरसात में घटिया सामग्री की सड़कें जगह जगह से क्षतिग्रस्त हो गई है। अब जांच एजेंसी के बदलने के बाद एक बार फिर जनता की नजर निष्पक्ष जांच की ओर है।

सड़कों की जांच के लिये सार्वजनिक निर्माण विभाग के दो अधिकारी बोरावड़ पहुंचे। इस दौरान शिकायतकर्ता राजेन्द्र खर्रा सहित पालिका के जेईएन नरेन्द्र सारस्वत उपस्थित रहे।

मामले के अनुसार बोरावड़ निवासी राजेन्द्र खर्रा सहित रतनाराम, ओमसिंह, चेतन सोनी व अन्य लोगों ने संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त शिकायत जिला कलेक्टर डीडवाना-कुचामन तथा उपखण्ड अधिकारी मकराना अुशंल सिंह को प्रेषित कर ठेकेदार द्वारा बिना पीसीसी किए पुरानी सीसी सड़कों पर ही बिना मापदण्ड एवं घटिया सामग्री से सड़कों के निर्माण के आरोप लगाते हुए ग्यारह सड़कों के निर्माण की थर्ड पार्टी जांच करवाने तथा गुणवत्ता की जांच होने तक सड़कों के निमार्ण कार्य का भुगतान रोके जाने की गुहार की।

उन्होंने शिकायत के माध्यम से जिला कलेक्टर को अवगत कराया कि शहर में सात पुरानी व खराब हो रखी सड़कों को तोड़कर पहले पीसीसी की जाती है, उसके बाद सीसी सड़क का निर्माण किया जाना था, जबकि 25 लाख की लागत से बनने वाली विभिन्न स्थानों की सड़कों को एक ही स्थान पर एक ही वार्ड नंबर 21 में खर्च कर दिया गया जो कि पार्षदों के साथ भेदभाव है, उस सड़क में जो सीमेंट की मात्रा होनी चाहिए, वह नहीं डाली गई तथा 2 इंच पीसीसी करके ऊपर सीसी का वर्क कर दिया गया। शिकायत में बताया गया है कि बोरावड़ के वार्ड नंबर 20 में 2 इंच पीसीसी डालकर सीसी घटिया सामग्री कम मात्रा में सीमेंट डालकर सड़क बना दी गई, इसी प्रकार बोथरा बास, मुथा बास में पीसीसी भी नहीं करते हुए सीधा सीसी डालकर कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि अग्रवाल मेडिकल स्टोर से हवाई अड्डा पॉइंट तक बनने वाली सड़क को बिना तोड़फोड़ करके बिना पीसीसी किये 4 इंच सीसी डालकर लीपापोती की गई। उन्होंने पालिका प्रशासन व ठेकेदार पर फंड का जमकर दुरुपयोग किये जाने का आरोप लगाते हुए बताया कि बोरावड़ में लम्बे समय के इंतजार के बाद सड़कों के निर्माण में भारी अनियमितताएं बरतने से स्थानीय जनता में रोष व्याप्त है।

सूने मकान में हुई चोरी का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सूने घर से चोरी करने वाले चार चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरों के पास से चोरी किए गए कूलर, गैस सिलेंडर, कूलर मोटर बरामद किए हैं। यह सफलता थाना प्रभारी सोहनलाल के नेतृत्व में मिली है।

- **पुलिस ने चोरों के पास से चोरी किए गए कूलर, गैस सिलेंडर, कूलर मोटर बरामद की**

राजन दुष्यंत उप महानिरीक्षक पुलिस सह जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वर्तमान में संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के निर्देशन एवं वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन व विराटनगर थाना प्रभारी विराटनगर सोहनलाल के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए प्रकरण में मुल्जिमों की तलाश की गई। घटना क्षेत्र के आसपास व संभावित स्थानों के सीसीटीवी कैमरे खंगालते हुए पुलिस ने अज्ञात बदमाशों की तलाश की जाकर कूलर, गैस सिलैंडर, कूलर मोटर चोरी की घटना का पर्दाफाश किया। पुलिस ने अजय हरिजन पुत्र ज्ञानचंद निवासी वार्ड नं. 25 विराटनगर, भूपेंद्र कुमार उर्फ मनोज सैनी पुत्र रामस्वरूप निवासी वार्ड नं. 23 झालरा की ढाणी विराटनगर को गिरफ्तार किया, जिन्होंने चोरी के बाद चोरी का माल बाबूलाल, महेश को बेचना बताया, जिस पर बाबूलाल पुत्र फूलचंद बीजाला की ढाणी विराटनगर, महेश कुमार पुत्र किशोरी लाल निवासी वार्ड नं. 18 किले के पास विराटनगर को गिरफ्तार कर चोरी का खरीदा माल कूलर, गैस सिलैंडर, कूलर मोटर बरामद की। वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत ने बताया कि 12 जुलाई को जोगेश कुमार पुत्र प्रभुदयाल अग्रवाल ने मामला दर्ज करवाया था कि रात्रि में अज्ञात चोर मेरे पुस्तैनी ने मकान से कूलर, गैस सिलैंडर, कूलर मोटर चोरी कर ले गए।

पुलिस ने चोरी का माल सहित आरोपियों को गिरफ्तार किया।

ग्राम पंचायत मांकड़ी मे अंतिम यात्रा गहरे पानी से गुजरी, लोगों में रोष

पाटन, (निसं)। जल भराव की समस्या जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी-यह कहावत उस समय साकार हो गई, जब ग्राम पंचायत मांकड़ी की ढाणी साधुवाला निवासी सुरेश सैनी की पत्नी लीलावती की अंतिम यात्रा रेलवे ट्रैक के अधीनस्थ अंडरपास से गुजरी, जिसमें लगभग दो से तीन फीट गहरा पानी भरा हुआ था। अंतिम संस्कार के इस भावुक क्षण में ग्रामीणों को शव यात्रा के साथ पानी में उतरना पड़ा। सैकड़ों लोग इस जलमग्न रास्ते से गुजरते हुए प्रशासनिक अनदेखी के खिलाफ आक्रोशित नजर आए।

स्थानीय युवा हवासिंह मांकड़ी ने बताया कि ग्राम पंचायत क्षेत्र में तीन अंडरपास हैं, जो वर्षा ऋतु में पूरी तरह जलमग्न हो जाते हैं। इनसे प्रतिदिन सैकड़ों लोगों की आवाजाही होती है, लेकिन इसके बावजूद शासन-प्रशासन की ओर से कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। हवासिंह ने बताया कि पंचायत क्षेत्र बीते पांच वर्षों से राजनीतिक उपेक्षा का शिकार रहा है। जनप्रतिनिधि चुनावों के बाद जनता की समस्याओं से मुंह मोड़ लेते हैं और राजनीतिक मेहमाननवाजी में व्यस्त रहते हैं। वर्तमान में पंचायत के सरपंच (जो प्रशासक के रूप में कार्यरत थे) को निलंबित कर दिया गया है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि इतने दिन बीत जाने के बावजूद अब तक किसी नए प्रशासक या प्रतिनिधि को चार्ज नहीं सौंपा गया है।

सैकड़ों लोग जलमग्न रास्ते से गुजरते हुए प्रशासनिक अनदेखी के खिलाफ आक्रोशित नजर आए।

- **अंतिम यात्रा रेलवे ट्रैक के अधीनस्थ अंडरपास से गुजरी, जिसमें लगभग दो से तीन फीट गहरा पानी भरा हुआ था**

गांव के लोगों का कहना है कि नालियों की सफाई नहीं होती, अंडरपास की नियमित निकासी व्यवस्था नहीं है और न ही जल निकासी की कोई ठोस योजना बनाई गई है। नतीजतन, बारिश के दिनों में आमजन से लेकर शव यात्राओं तक को जलमग्न रास्तों से गुजरना पड़ता है। हवासिंह मांकड़ी ने शासन और प्रशासन से मांग की है कि ग्राम पंचायत की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए, अन्यथा क्षेत्र की जनता आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

परीक्षा केन्द्र बनवाने व परिवर्तन के लिए 31 तक आवेदन

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परीक्षा वर्ष 2026 के लिए परीक्षा केन्द्र बनाने अथवा अपने विद्यालय का परीक्षा केन्द्र परिवर्तन कराने के इच्छुक विद्यालयों से 31 जुलाई तक आवेदन पत्र संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) मुख्यालय के माध्यम से आमंत्रित किए गए है। सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने बताया कि 10 किलोमीटर से अधिक दूरी पर आवंटित परीक्षा केन्द्र वाले विद्यालय भी निकटतम परीक्षा केन्द्रों का विकल्प देते हुए केन्द्र परिवर्तन के लिए आवेदन कर सकते हैं। निर्धारित मानदण्डों के अनुरूप परीक्षा केन्द्रों पर स्थान उपलब्धता के आधार पर केन्द्र परिवर्तन अथवा नया परीक्षा केन्द्र बनाने पर विचार किया जाएगा। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। सभी जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) मुख्यालय प्राप्त आवेदन पत्रों के संबंध में उचित प्रस्ताव तैयार कर मेल करें।

स्मार्ट मीटर लगाने के खिलाफ आक्रोश

रतनगढ़, (निसं)। रतनगढ़ कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) और अखिल भारतीय किसान सभा तहसील कमेटी रतनगढ़ ने स्मार्ट मीटर के खिलाफ आक्रोश रैली निकालकर प्रदर्शन किया। 'राज्य सरकार होश में आओ, स्मार्ट मीटर नहीं चलेगा' जैसे नारे लगाते हुए निकाली गई रैली को कांग्रेस पार्टी ने भी समर्थन दिया। किसान सभा के अध्यक्ष मदनलाल जाखड़, राजलदेसर अध्यक्ष भादर भामू, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चंद्र इंदौरिया के नेतृत्व में हुए आंदोलन में पूरे परिक्षेत्र से सैकड़ों की संख्या में किसान शामिल हुए।

संयोजक रामकिशन भामू ने बताया कि किसान मजदूर भवन में हुई सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पहले से घरों में डिजिटल मीटर लगे हुए हैं, उसमें कोई खराबी नहीं है, उसके बावजूद स्मार्ट मीटर के नाम पर लूट का खेल जारी है। किसान सभा के बिरजू खीचड़, बिशन लाल रूलानिया, भादरसिंह राठौड़, रामकिशन भामू, मनीष जाखड़, कांग्रेस के कल्याण सिंह, मोहम्मद अनवर कुरैशी, किसान सभा के हनुमान ढाका, लेखूराम, देवाराम ढाका, नौरंग सारण, विनोद सिंह राठौड़, खींवाराम ख्यालिया, हनुमान मुहाल ने संबोधित करते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर बिजली विभाग को निजी हाथों में सौंपने की साजिश है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि फसल बीमा क्लेम खरीफ 2023 अभी बकाया पड़ा है, फसल का उचित भाव किसान को नहीं मिल रहा है, सौर ऊर्जा टावर खेतों में लगाए जा रहे हैं जिसका मुआवजा नहीं दिया जा रहा है, ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल टंकियों की सफाई नहीं की जा रही है, गांवों में सामूहिक सरकार द्वारा लगाए गए आरओ लगभग सभी गांवों में खराब पड़े हैं। इन सभी मुद्दों को लेकर किसानों में जबरदस्त आक्रोश है, अगर वक्त रहते किसानों की सभी मांगों का उचित समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा जिसका सरकार को गंभीर परिणाम भुगतना होगा। इस अवसर पर इदरिस, मनोज गुर्जर, शफीक मोहम्मद, लियाकत अली, ओंकारमल सैनी, बीरबल राम चाहर, रामगोपाल शर्मा, पूनमचंद जाखड़, भागीरथसिंह, नदीम, विजय भामु, हरिराम, खुमाराम सहित सैकड़ों की संख्या में किसान उपस्थित थे।

स्मार्ट मीटर लगाने के खिलाफ लोगों ने प्रदर्शन किया।

चोरी की आरोपी महिला गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा पुलिस टीम ने ज्वैलर्स की दुकान से पायल चोरी के मामले में कार्यवाही करते हुए महिला आरोपी^ पिंकी (24) को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि 25 जनवरी को फरियादी चेतन कुमार ने गुमानपुरा थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि चेतन ज्वैलर्स के नाम से शारदा चौक छावनी में उसकी ज्वैलर्स की दुकान है। रिपोर्ट में कहा कि कुछ महिलाएं उसकी दुकान पर पायल खरीदने के लिये आई और पायल दिखाते समय उससे नजर चुराकर दो जोड़ी पायल चुरा कर ले गई और बिना कुछ खरीदे महिलाएं चली गई। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि जब पायल वापस जमाने लगा तब दो जोड़ी पायल गायब मिली।

15 पाताल तोड़ कुओं से जल जमाव से निजात

बीकानेर, (निसं)। नगर निगम और बीकानेर विकास प्राधिकरण की ओर से शहर के 15 जगह खोदे गए भूजल रिचार्ज वाले कुएं जलभराव वाले इलाकों का आधा पानी खींच रहे हैं। यही वजह है कि जो पानी 8 से 10 घंटे तक भरा रहता था वो पानी अब चार से छह घंटे में निकल रहा है। निगम इस बारिश में जमीन के अंदर पानी जाने के बाद भूजल विभाग से पोस्ट मानसून रिपोर्ट लेकर पता लगाएगा कि इससे कितना पानी रिचार्ज हुआ, अगर रिपोर्ट पॉजिटिव आई तो अगले मानसून से पहले शहर में करीब एक दर्जन से ज्यादा कुएं और खोदे जाएंगे।

- **जो पानी 8 से 10 घंटे तक भरा रहता था, वो पानी अब चार से छह घंटे में निकल रहा है**

दरअसल पूरे राजस्थान में सबसे निचले स्तर पर पानी बीकानेर में ही है। सबसे ज्यादा जलभराव भी बीकानेर में ही है। सूरसागर से लेकर कीर्ति स्तंभ चौराहा, श्रीगंगानगर चौराह, गजनेर रोड, वल्लभगार्डन, खुदखुदा, कालीमाता मंदिर के पास, कलेक्ट्रेट समेत शहर में 29 ऐसे केन्द्र हैं जहां बारिश में तालाब जैसे हालात होते हैं। मानसून से पहले निगम और बीडीए ने 8-8 पातालतोड़ कुएं बनाने शुरू किए। मानसून शुरू होने से पहले 16 में से 15 कुएं शुरू हो गए। बीकानेर में सबसे बड़ी बारिश सावन के पहले दिन 62 एमएम हुई थी। 2024 में भी बड़ी बारिश हुई थी लेकिन पानी निकलने में करीब 8 घंटे लग गए थे, मगर इस साल पानी 4 से 6 घंटे में निकल गया था। सड़क के निचले हिस्सों में जहां चारों तरफ ऊंचाई रही वहीं भरा रहा। इसलिए निगम का ये दावा सही है कि कुओं से पानी खिंच रहा है। हालांकि एक कुआं अभी बनना बाकी भी है। कलेक्ट्रेट परिसर में भी पिछले साल की बारिश में 12 घंटे तक पानी नहीं निकला था मगर इस साल चार घंटे में पानी कम हो गया।

नीमकाथाना व पाटन का वन क्षेत्र अवैध खनन की चपेट में

पाटन, (निसं)। सीकर जिले का सबसे बड़ा वन क्षेत्र पाटन व नीमकाथाना रेंज, जो कि हरियाणा सीमा से सटा हुआ है, लंबे समय से अवैध खनन और वन विनाश की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। खासतौर पर राजस्व ग्राम स्यालोदड़ा स्थित चिड़ीमार पहाड़ (खसरा नंबर 72) और लादीकाबास पर लगातार हो रहे खनन ने पूरे क्षेत्र के पर्यावरण संतुलन को खतरे में डाल दिया है। पाटन रेंज, जो कि अरावली पर्वतमाला का एक हिस्सा है, वर्षों से हरियाणा की सीमा से लगे होने के कारण बाहरी खनन माफियाओं के निशाने पर रहा है। यहां वन विभाग के पास ना तो पर्याप्त कर्मचारी हैं और ना ही संसाधन, जिससे क्षेत्र में हो रहे अवैध खनन को रोकना लगभग असंभव बनता जा रहा है।

- **पाटन रेंज में कर्मचारियों व संसाधनों का भारी अभाव, जबकि नीमकाथाना रेंज की हालत भी ऐसी ही है**
- **इन कर्मचारियों के पास न तो पर्याप्त वाहन हैं, न वायरलेस संचार की सुविधा और न ही गश्त के लिए पर्याप्त सुरक्षा है**

पाटन रेंज जैसे बड़े व संवेदनशील वन क्षेत्र में सिर्फ 7 से 8 वनकर्मी कार्यरत हैं, जबकि नीमकाथाना रेंज की हालत भी कुछ अलग नहीं है। इन कर्मचारियों के पास न तो पर्याप्त वाहन हैं, न वायरलेस संचार की सुविधा और न ही गश्त के लिए पर्याप्त सुरक्षा। जबकि दूसरी ओर, सीकर जिला मुख्यालय, जहां वन क्षेत्र बहुत कम है, वहां 60 से अधिक कर्मचारी और भरपूर साधन उपलब्ध हैं।

स्थानीय ग्रामीणों व पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि चिड़ीमार पहाड़ अब लगभग समाप्ति की कगार पर है। यहां न केवल पत्थरों का अवैध खनन जारी है, बल्कि इसके कारण घने जंगल उजड़ रहे हैं, जंगली जीवों का प्राकृतिक आवास खत्म हो रहा है और क्षेत्र का पारिस्थितिकी तंत्र चरमरा रहा है। स्थानीय लोगों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पर्यावरणविदों की एकजुट मांग है कि पाटन व नीमकाथाना रेंज में तत्काल अतिरिक्त कर्मचारी नियुक्त किए जाएं, सीकर मुख्यालय से अतिरिक्त संसाधन और कर्मचारी इन संवेदनशील क्षेत्रों में स्थानांतरित किए जाएं, बॉर्डर क्षेत्र पर निगरानी और सुरक्षा के लिए मोबाइल गश्त दल, वायरलेस संचार, ड्रोन आदि की व्यवस्था की जाए,अवैध खनन पर कठोर कार्रवाई हो और दोषियों को दंडित किया जाए।यदि यह मांगें शीघ्र पूरी नहीं की गईं, तो आने वाले कुछ वर्षों में पाटन रेंज का पूरा वन क्षेत्र इतिहास बन सकता है।

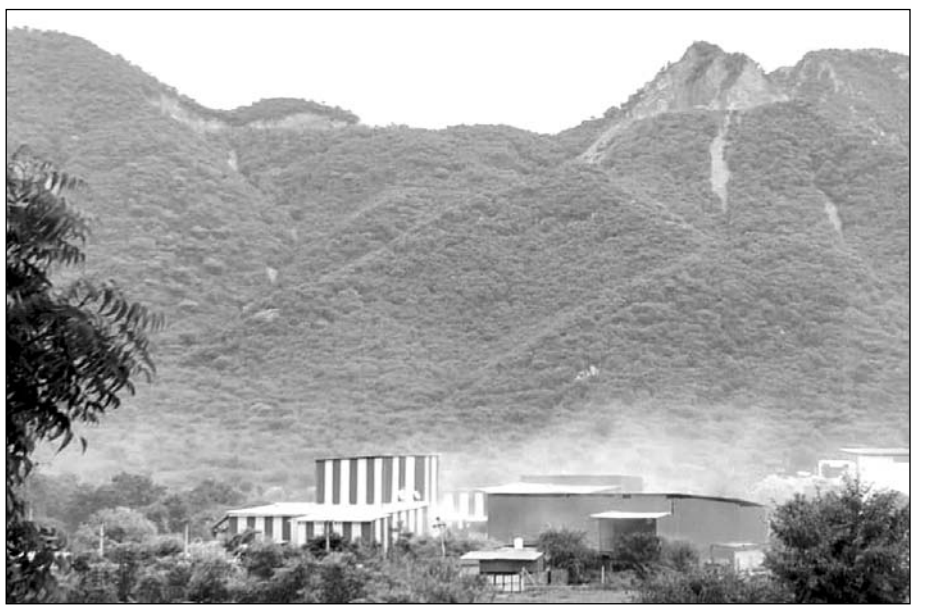

जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने र

बुजुर्ग दंपती की हत्या मामले में चौथा आरोपी गिरफ्तार

आरोपी का बेटा पहले पकड़ा जा चुका है, दो फरार

बीकानेर, (निसं)। मुक्ता प्रसाद नगर थाना क्षेत्र में बुजुर्ग पति-पत्नी की हत्या मामले में अब एक और गिरफ्तारी हो गई है। आरोपी का बेटा पहले ही पकड़ा जा चुका है। अब तक पिता-पुत्र सहित चार को पकड़ा है। मामले में दो जने फरार है। दो आरोपियों को रिमांड पर लिया गया है। महिला आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सौरभ तिवाड़ी ने बताया कि बुजुर्ग दम्पती गोपाल वर्मा और निर्मला वर्मा की हत्या के मामले में अब विजय बंसल को गिरफ्तार किया है। विजय बंसल पहले से गिरफ्तार रोहित बंसल का पिता है। हत्या के समय वो भी इस गैंग में शामिल था। हत्या के बाद लूटे गए जेवर और नगदी लेकर फरार होने वालों में विजय बंसल भी शामिल था। उसे उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी दह जने प्री-प्लान तरीके से दम्पती के घर पहुंचे थे। यूपी से आए लोगों ने अपनी कार को श्रीडूंगरगढ़ में ही खड़ा कर दिया था। वहां ईशु नामक एक शख्स को खड़ा कर दिया था। उससे कार की लोकेशन मंगवाई। बीकानेर से एक कार किराए पर करके लोकेशन के आधार पर इशु के पास पहुंच गए, जहां से गाजियाबाद भाग गए। पुलिस अभी इस मामले में कर्मवरी और सुमित की तलाश कर रही है। कर्मवीर हत्याकांड में शामिल महिला आरोपी प्रिया सिसोदिया का पिता है। उसी की भूमिका इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा संदिग्ध मानी जा रही है। उसी ने स्वयं को तांत्रिक बताते हुए वर्मा दम्पती से संपर्क बनाकर रखा था।

डीडवाना में आवारा श्वान ने दो दर्जन लोगों को काटा

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना शहर में एक आवारा श्वान (कुत्ते) ने सोमवार शाम को कोहराम मचा दिया। अजमेरी गेट से लेकर भगत सिंह सर्किल, नागौरी गेट, बस स्टैंड, फव्वारा सर्किल और नागौर रोड जैसे प्रमुख इलाकों में इस श्वान ने राह चलते लोगों पर हमला कर दिया। करीब दो दर्जन से अधिक लोगों को उसने काटकर घायल कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह कुत्ता लगातार अलग-अलग स्थानों पर दौड़ते हुए लोगों पर झपट रहा था। अधिकतर पीड़ित आम नागरिक, छात्र और बाजार में खरीदारी कर रहे लोग थे, जिन पर अचानक हमला हुआ। बिना किसी उकसावे के हुए इन हमलों से लोग बुरी तरह घबरा गए। घायलों को तुरंत राजकीय जिला चिकित्सालय डीडवाना लाया गया, जहां उन्हें प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है। पीएमओ डॉ. अजीत सिंह ने बताया कि सभी घायलों की स्थिति फिलहाल स्थिर है। ज्यादातर को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। श्वान के काटने के मामलों को देखते हुए अस्पताल में त्वरित चिकित्सा व्यवस्था की गई।

डॉ. सिंह ने जानकारी दी कि शाम का समय होने के बावजूद अस्पताल प्रशासन ने तत्परता दिखाई। चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ को आपात स्थिति में बुलाया गया और सभी घायलों को एंटी रेबीज इंजेक्शन व दवाएं उपलब्ध करवाई। पीएमओ ने यह भी स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर अस्पताल में दवाओं की कमी और उपचार में लापरवाही जैसी अफवाहें फैल रही हैं, जो भ्रामक और निराधार हैं। अस्पताल में सभी आवश्यक दवाओं और इंजेक्शनों का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। शहर में इस प्रकार की घटना के बाद नगर परिषद और पशुपालन विभाग की लापरवाही पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि शहर में आवारा कुत्तों की संख्या को नियंत्रित किया जाए और ऐसे हमलावर श्वानों को जल्द पकड़ा जाए।

जानलेवा हमले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने इलाके के नोर्दन बाईपास पर व्यक्ति के उपर हुए जानलेवा हमले के मामले में कार्यवाही करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि 30 दिसम्बर 2024 को फरियादी सुरेश कुशवाह ने रेलवे कॉलोनी थाने में रिपोर्ट दी थी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा था कि वह नोर्दन बाईपास पर निवास करता है उसके पास दो जने आये और उससे मोबाइल मांगा। नहीं देने पर अपशब्द कहने लगे। उसी दौरान समझाइश कराने के लिये अनिल केवट आया। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि उस समय तो मामला शांत हो गया लेकिन दो घंटे बाद आठ-दस जने हथियार लेकर आये और उससे व उसके परिवार के लोगों से मारपीट कर जानलेवा हमला किया। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया। मामले में आरोंपियों की गिरफ्तारी के लिये रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने तकनीकी व मुखबीर की सहायता से कार्यवाही करते हुए भदाना निवासी भोले केवट (24) को भदाना से डिटेन कर पूछताछ के बाद प्रकरण में गिरफ्तार किया। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने इस मामले में पूर्व में नयानोहरा निवासी धर्मराज (27) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया गया है। पकड़े गये आरोपी भोले केवट से अनुसंधान जारी है।